विशेष सहयोगी 2100/–

श्री अरविंद जैन भाई जी
श्री असित जैन पीडब्ल्यूडी क्वार्टर
श्री डीके जैन आकृति अपार्टमेंट
श्री कैलाश चंद जैन न्यू जगदंबा कॉलोनी
श्री निर्मल कुमार जैन प्रेस्टीज डुप्लेक्स
श्री प्रदीप कुमार जैन आनंद कॉलोनी
श्री राजीव जैन, दयानगर
श्री सनत कुमार जैन शक्ति नगर
श्री सुनील जैन, आनंद
श्री सुनील जैन तार बाबू , लालकुआं
श्री सुरेंद्र जैन, पान दरीवा
श्री विजय जैन, लार्गडगंज

दस वर्षीय सदस्य 1100/–

श्री अशोक कुमार जैन शिवनगर
श्री अनूप जैन प्रियदर्शनी परिसर
श्री रितेश जैन शीतलपुरी
श्री आशीष जैन बलदेवबाग
श्री दिलीप कुमार जैन संगम कॉलोनी
श्री प्रदीप कुमार जैन लाल कुआं
श्री प्रमोद कुमार जैन, राठी कालोनी
श्रीमति रूपा जैन, आदर्श कालोनी

उपरोक्त सभी सदस्यों को जबलपुर कमेटी के श्री अरविंद कुमार जैन, श्री जयकुमार जैन, डॉ. सुनील कुमार जैन, श्री अश्विन जैन एवं श्री आलोक जैन के प्रयासों से गोलालारीय दर्शन परिवार से जोड़ा है ।

गोलालारीय दर्शन परिवार आप सभी का हार्दिक आभार व्यक्त करता है।

भगवान आदिनाथ को कैलाश पर्वत से निर्वाण की प्राप्ति, मोक्ष गमन हुआ

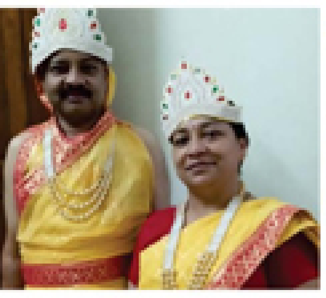

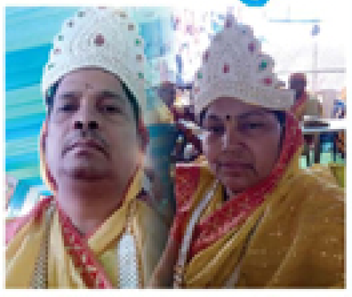

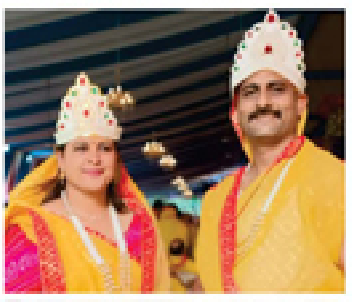
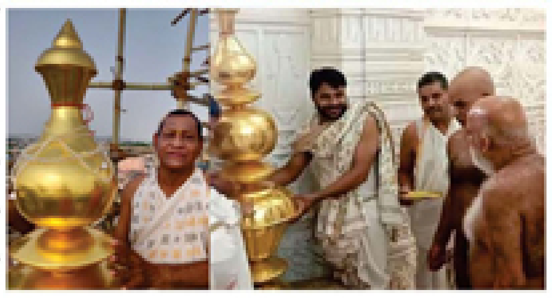

जबलपुर,अरविन्द जैन । 108 आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य निर्यापक मुनिपुंगव सुधा सागर जी महाराज के सानिध्य में दिनांक 3 से 8 मई तक जबलपुर के श्री दिगंबर जैन अतिशय तीर्थ क्षेत्र, हनुमानताल के तत्वाधान में शहीद स्मारक परिसर, गोल बाजार में श्रीमज्जिनेंद्र आदिनाथ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव संपन्न हुआ। इस पुनीत अवसर पर मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज ने शाकाहार पर जोर देकर कहा कि शाकाहार की महत्ता प्रतिपादित कर मनुष्य जन्म सफल करने पर बल दिया, स्पष्ट किया कि आहार से ही मानसिक शुद्धि होती है यदि आहार शुद्ध नहीं होगा तो मानसिकता भी अशुद्ध हो जाएगी, इसलिए भोज्य व अभोज्य का विभेद गंभीरता से समझकर आचरण करना होगा। ज्ञान कल्याणक के अवसर पर महाराज जी ने ज्ञान कल्याणक की गहन मीमांसा करते हुए कहा कि ज्ञान के समान पवित्र करने वाला कोई नहीं है, जब जीवन में ज्ञान का उद्भव होता है, तब सार और असार के बीच का विभेद साफ हो जाता है और इस तरह ही मनुष्य जन्म सफल बनाता हैं।

श्री दिगम्बर जैन शासनोदय अतिशय तीर्थक्षेत्र हनुमान ताल के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर 15 शताब्दी का मंदिर है शिलालेखों से साफ होता है कि इस जिनालय में 1542 से 1548 तक की प्राचीन प्रतिमाएं विराजमान हैं। कलचुरी कालीन कलापूर्ण आकृति से युक्त भगवान आदिनाथ की मनोहरी प्रतिमा राजा कर्ण के समय की हैं, महाभारत काल में राजा कर्ण इस प्रतिमा का पूजन किया करते थे विश्व की इस अद्भुत प्रतिमा की हस्त मुद्रा सीप के आकार की हैं, इस वजह से यह प्रतिमा ऐश्वर्य सुख शांति समृद्धि प्रदान करने वाली हैं। गोलालारीय समाज के श्री रितेश- सविता जैन, श्री घनश्याम-अंजना जैन, श्री रत्नेश-निहारिका जैन, श्री रविंद्र-रश्मि जैन व श्री शरद- दीपाली जैन ने इंद्र बनकर पुण्यार्जन किया इस मंगल अवसर पर श्री प्रदीप जैन व विवेक जैन ने कलशरोहण में सहभागी बने।

मोक्ष कल्याणक के अवसर पर गजरथ फेरी में 24 तीर्थकरों को रथों पर सवार कर भव्य शोभायात्रा ने सभी का मन मोह लिया रथोत्सव का शुभारंभ होते ही श्रावकों मे असीम उत्साह भर गया, गजरथ पर विराजमान सौधर्म इन्द्र व कुबेर इन्द्र ने रत्नों की वर्षा की उन रत्नों को श्रावक गणों ने सहेज कर अपने आप को धन्य माना । इस अवसर पर जबलपुर नगर की सभी जैन संस्थाएं ने अपनी जिम्मेदारियों का पूर्ण मनोयोग से निर्वाह किया इस महोत्सव में गोलालारीय समाज के अनेक सद्स्यों ने अपनी महती भूमिका निभाकर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना योगदान दिया

जिनालय हमारी संस्कृति की धरोहर – मुनिश्री

बाकल । प्रत्येक सभ्यता और संस्कृति की पहचान उसके धार्मिक आयतन, मंदिर, साधक और कुलीन परंपरा से होती है हमारी श्रवण संस्कृति की पहचान जिन आयतन और श्रमण साधु है। धर्म के आयतन में जहां हमारी श्रद्धा उत्तरोत्तर प्रगाढ़ होकर मुखर होती है परमात्मा के दर्शन भक्ति पूजा-पाठ आदि नित्य क्रियाएं संपन्न कर अपने पुण्य को उत्तरोत्तर बढ़ाते हैं और मानव जीवन की सफलता का आदर्श प्रस्तुत करते हैं ।

श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी बाकल के नवीन आयतन के निर्माण कार्य का प्रारंभ शुभ तिथि में समाज के सभी धर्मानुरागियों ने अपना श्रम सहयोग देकर कार्यक्रम को सफलता प्रदान की । कार्यक्रम के प्रारंभ में 108 आचार्य श्री विद्यासागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य 108 मुनि श्री निर्दोष सागर जी, 108 मुनि श्री निर्लोभ सागर जी महाराज के परम सानिध्य में श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर जी के नवीन आयतन का शुभारंभ सकल जैन समाज द्वारा आशीर्वाद लेकर प्रारंभ किया गया । मंदिर निर्माण कार्य में समाज के प्रमुख जनों में जीवनधर मोदी, नरेंद्र सिंघई, सुरेंद्र सिंघई पवन मोदी, डॉ सुबोध जैन, मनोज मोदी, अजय अहिंसा, संजय मोदी, स्वप्निल साहूकार, अरविंद सिंघई, मनोज जैन, मंजू विमल सिंघई, आनंद जैन, जितेंद्र मोदी, अभय जैन, विजय सिंघई, अंशुल जैन, आर्जव जैन, सौरभ जैन, शिक्षक अनिल सिंघई, अनुराग जैन, सुमेर जैन, नीलेश जैन, पंकज जैन, पत्रकार पुष्पेन्द्र मोदी सहित महिला मंडल अध्यक्ष प्रतिभा मोदी, हर्षिता जैन आदि सदस्यों ने किया ।

अर्चना जैन ने रेलवे में हिन्दी के प्रयोग की मांग का प्रस्ताव रखा

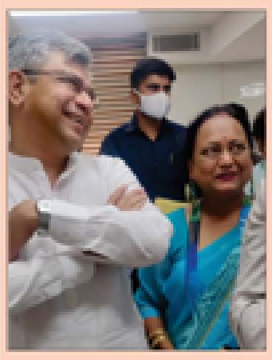

5 मई को दिल्ली में हिंदी के प्रचार प्रसार समिति की बैठक रखी गई थी। रेलवे मंत्रालय द्वारा इस बैठक की अध्यक्षता श्रीमान अश्विनी वैष्णव रेल मंत्री जी ने की। इस बैठक में हिंदी सलाहकार समिति की सदस्य श्रीमती अर्चना जैन ने अपने विचार रखे और मुख्य रुप से प्रस्ताव रखा कि हिन्दी के पुस्तकालय हर रेलवे स्टेशन पर होने चाहिए और साथ ही रेलवे के डिब्बों में भी होना चाहिए। अर्चना जैन जी की बातों पर सभी ने ध्वनिमत से सहमति जताई। हिंदी समिति की बैठक के पश्चात अर्चना जैन रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी से व्यक्तिगत मुलाकात करने श्री अनिल जैन जी के साथ गई। रेल मंत्री जी ने यथाशीघ्र सभी बातों पर विचार करने की बात कही।

भारतवर्षीय दि. जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी मध्यांचल का शपथ विधि समारोह सम्पन्न।

दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्रो के सरक्षंण, संवर्द्धन-जीर्णोद्धार एवं विकास की अग्रणी संस्था भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी (मध्यांचल) का शपथ विधि समारोह महावीर तपोभूमि प्रणेता, वाचस्पति आचार्य श्री 108 प्रज्ञासागर जी महाराज के सानिध्य में 22 मई को नवग्रह जिनालय इंदौर में सम्पन्न हुआ । भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव माननीय श्री कैलाश जी विजयवर्गीय के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न। कार्यक्रम में तीर्थ क्षेत्र कमेटी राष्ट्रीय महामंत्री माननीय श्री संतोष जी पेंडारी ने श्री डी.के.जैन को मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ मध्यांचल के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण कराई । इस अवसर पर नगर की अनेक संस्थाओं के पदाधिकारी मौजूद थे।

हार्दिक बधाईयाँ

* कुमारी नयनश्री जैन ने तीर्थकर महावीर मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च सेंटर मुरादाबाद से MBBS की डिग्री प्राप्त कर चिकित्सक बन परिवार, समाज व नगर का नाम रोशन किया है। 2017-18 नीट से चयनित कुमारी नयनश्री अपने दृढ़ निश्चय से ही मुकाम को हासिल किया है। आप गोलालारीय समाज, पन्ना के वरिष्ठ व प्रतिष्ठित हीरा व्यवसायी श्री नरेन्द्र-सुरुचि जैन की पुत्री है ।

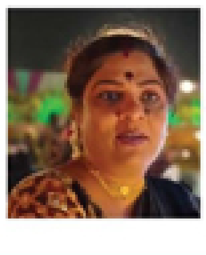

* दिगम्बर जैन समाज की 127 साल पुरानी भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के प्रांतीय व संभागीय त्रैवार्षिक चुनाव कुंदकुंद ज्ञानपीठ उदासीन आश्रम इन्दौर में संपन्न हुए जिसमें श्रुत संरक्षणी महासभा के प्रदेश अध्यक्ष का भार जबलपुर की डॉ. श्रीमती निधि सुनील जैन को चुना गया है। डॉ निधि जैन नगर व प्रदेश की अनेक धार्मिक व सामाजिक संगठनों संगठनों के महत्वपूर्ण पदों पर आसीन हैं।

* गोलालारीय समाज विदिशा के सचिव डॉ. राहुल जैन को भारतीय जनता पार्टी, विदिशा जिला संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ नियुक्ति किया गया है।

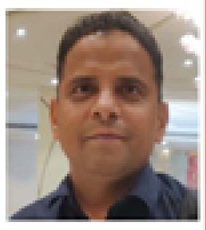

* दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के महाकौशल विंध्य ग्रुप रीजन, जैन सोशल ग्रुप जबलपुर मेन के द्वारा कोरोना काल में दी गई सेवाओं के चलते 'श्रेष्ठ मानव सेवा सम्मान' मैहर के श्री प्रबोध जैन को प्रदान किया गया । आप मैहर जैन सोशल ग्रुप के सचिव भी है ।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से बहुत बहुत बधाईयाँ ।

मां

मां तो हर किसी के जीवन में अनमोल होती है,
जो हमारी खुशियों के लिए जीवन भर रोती है।
मेरी मां ने ही तो हमें दुनिया के काबिल बनाया,
अरुणा की यादों से एक पल को दूर रह न पाया।
जन्म देने से आज तक मां ने बहुत कष्ट सहे हैं,
लेकिन उसने अपने दर्द कब किसी से कहे हैं।
मां के जैसे हमें जीवन में बहुत रिश्ते मिले हैं,
नानी मां गजराबाई ने कब गिले-शिकवे किए हैं।
दादी मां के चरणों में हमें हमेशा जन्नत दिखी है,
मैंदाबाई से तो हमेशा सदाचार की शिक्षा मिली है।
बुआ मां ने भी तो हमें हमेशा बहुत दुलारा है,
मीना और ममता जो परिवार की सितारा हैं।
बहन मां ने भी तो हमें हमेशा खूब संवारा है,
दीपा और दीप्ति जो परिवार का किनारा हैं।
चाची मां भी तो आई जब बचपन गया था बीत,
फिर मोहिनी ने लिख दिये हमारी खूबियों के गीत।
मौसी मां ने भी तो हमें जिंदगी के मायने बताये,
जब पुष्पा ने अभावों में खुश रहने के गुण सिखाये।
मामी मां तो हैं सहनशीलता की बेमिसाल प्रतिमूर्ति,
विमलेश करती हैं ननिहाल में प्रेम स्नेह की आपूर्ति।
भाभी मां से भी तो हमें भरपूर स्नेह है मिला,
नीतू के आने से परिवार का हर कोना खिला।
जिंदगी जीने के लिए पत्नी का मिला है सहारा,
आकांक्षा के आने से सुखद जीवन मिला द्वारा।
बेटी के आने से परिवार की बगिया महक उठी,
भाविता के बोलने से घर की खुशियां चहक उठी।
मिष्ठी मानुषी मैत्री परी भव्या अनमोल हैं,
मां के लिए हमारे पास अब क्या बोल हैं ?
आर्या श्रेया श्रुति भी हमारे लिए विशेष हैं,
अब सासू मां प्रमिला का प्रेम भी अशेष है।
जीवन की कृति को हमनें उसूलों से सजाया है,
लेकिन मेरी मां ने हमेशा हमसे दुःख ही पाया है।

–विशाल जैन पवा, (सह संपादक)
लेखक की यह प्रथम कृति है ।